पाठ 19

ककोलत से कन्याकुमारी

गर्मी की छुट्टियो में नन्ही, अंकुर, मान्या और स्वीटी अपने दोस्तों के साथ नवादा जिले में स्थित ककोलत घूमने आये थे। यहाँ पहाड़ों के ऊपर से वर्ष पर्यन्त एक झरना बहता रहता है। दूर–दूर से हज़ारो लोग उस झरने में स्नान करने आते हैं। सभी बच्चों को नहाने में बहुत मजा आ रहा था। नन्ही बोली–इस ठंडे पानी से मुझे निकलने की इच्छा ही नहीं हो रही है। मान्या ने कहा–ज्यादा नहाओगी तो इस गर्मी में भी तुम्हें सर्दी लग जाएगी। स्वीटी बोली–घर पर मैं कुएँ या चापाकल के पानी से नहाती हूँ। कभी–कभी पास के तालाब पर भी चली जाती हूँ। अंकुर ने कहा–मुझे तो नदी में नहाना बहुत अच्छा लगता है।

ककोलत झरना का चित्र

1. आप भी कभी–कभी घर से बाहर स्नान करने जाते होंगे। बताइए आप कहाँ स्नान करने जाते हैं ?

   ____

   ____

स्वीटी पिछली सर्दियों में अपने भैया–भाभी के साथ राजगीर गई थी। वहाँ गर्म जल के छोटे–छोटे झरने एवं कुण्ड हैं। सर्दियों में गर्म पानी के झरने या कुण्ड में स्नान करने का मजा ही कुछ और है।

राजगीर ब्रह्म कुण्ड एवं सप्तधारा का चित्र

2. अगर आस–पास में कहीं गर्म या ठंडे पानी की झरना या कुण्ड है तो उसका नाम लिखें।

गर्म पानी का झरना या/कुण्ड	ठंडा पानी का झरना/कुण्ड

3. हमारे आस–पास झरनों और कुण्डों के अतिरिक्त पानी के बहुत सारे भंडार हैं। क्या आप पानी के भंडारों के नाम बता सकते हैं ?

———————————— ————————————

———————————— ————————————

———————————— ————————————

अंकुर ने बतलाया मेरा दोस्त इशु अपने माता–पिता के साथ अपने देश के सुदुर दक्षिण कन्याकुमारी घूमने गया था। उसने बतलाया कि कन्याकुमारी हिन्द महासागर के तट पर है। हिन्द महासागर पानी का बहुत बड़ा भंडार है। दूर–दूर तक सिर्फ पानी ही पानी है। तट पर खड़े होकर सामने देखने से दूसरा किनारा, कहीं दिखाई नहीं देता है।

कन्याकुमारी

मान्या बोली–इशु ने यह भी कहा था कि समुद्र के अन्दर शंख, सीप, केकड़ा, आदि भी पाये जाते हैं। समुद्र के अन्दर या उसके आस–पास के पौधे भी कुछ अलग तरह के होते हैं।

नन्ही ने कहा– हमारे यहाँ भी तो नदियों तालाबों में अनेक जीव जन्तु तथा पौधे पाये जाते हैं।

4. आप भी किसी जल स्रोत यथा, नदी, तालाब आहर आदि के निकट अपने मित्रों के साथ जाइये और उसमें पाये जाने वाले जीव–जन्तुओ एवं पौधों की सूची बनाइए।

जल स्रोत का नाम	जीव–जन्तु	पौधे

स्वीटी ने कहा–पानी हमारे लिए बहुत उपयोगी है। यह हमारी प्यास बुझाता है, हम इससे नहाते हैं। अपना भोजन बनाते हैं।

5. क्या आप बता सकते हैं पानी का किन–किन कामों में उपयोग करते हैं?

——————— ——————— ———————

——————— ——————— ———————

——————— ——————— ———————

अंकुर ने कहा गंगा–दशहरा के समय में अपने माता–पिता के साथ गंगा स्नान करने पटना गया था। गंगा का पवित्र पानी मल–मूत्र, कूड़े–कचड़े से काफी गन्दा लग रहा था। मेरा नहाने का उत्साह ही समाप्त हो गया।

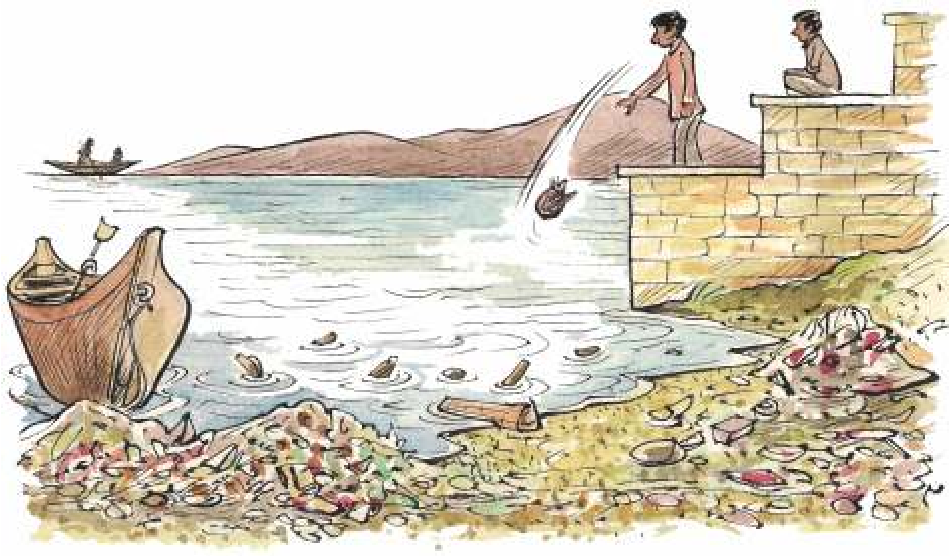

प्रदूषित गंगा

मान्या बोली–यह सच है कई लोग पानी में कूड़ा–करकट, पालीथीन, कपड़ा आदि फेंककर उसे प्रदूषित कर देते हैं।

6. क्या आपके आस–पास में जल स्रोत को भी लोग प्रदूषित कर देते हैं?

————————————————————————————

————————————————————————————

7. जल स्रोत के निकट जाकर पता लगायें किन–किन कारणों से जल प्रदूषित हो रहा है?

—————————————— ——————————————

—————————————— ——————————————

—————————————— ——————————————

स्वीटी बोली—गन्दा पानी हमारे किसी काम का नहीं है। न तो इसे हम पीने के उपयोग में ला सकते न इससे भोजन बना सकते है।

अंकुर ने कहा—हमारी शिक्षिका कह रही थीं कि गन्दा पानी पीने से लोग बीमार हो जाते हैं। उन्हें हैजा, पेचिस, पीलिया आदि कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

8. आप भी अपने शिक्षकों से पूछकर पता कीजिए कि प्रदूषित पानी पीने से कौन—कौन सी बीमारियाँ होती हैं ?

—————————————— ——————————————

—————————————— ——————————————

—————————————— ——————————————

—————————————— ——————————————

9. अपने मित्रों के साथ जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के उपायों पर चर्चा कीजिए? और उन्हें लिखिए।

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

मान्या बोली जो जल इतना ज्यादा महत्त्वपूर्ण है हमें उसे न केवल प्रदूषित होने से बचाना चाहिए बल्कि यह हमेशा उपलब्ध रहे इसके प्रति भी सचेत रहना चाहिए।

अंकुर ने कहा जल हमारी सबसे बड़ी ज़रूरत है। इसके बिना खाना—पीना क्या जीना भी मुश्किल है। हमें बेवजह जल को बर्बाद करने की आदत से बचना चाहिए।

10. क्या आप बता सकते हैं हमारे आस—पास कैसे—कैसे पानी बर्बाद होता है?

विद्यालय में ——————————————————————————

घर में ————————————————————————————

मोहल्ले में ——————————————————————————

11. जल की बर्बादी रोकने के लिए हम लोग कौन–कौन से कदम उठा सकते हैं?

____

____

____

आइए कुछ करें–

12. आप दो रूमाल लेकर भिगो लीजिए। एक रूमाल को धूप में डाल दें तथा दूसरे को छाया में रख दें। एक घंटे के बाद दोनों रूमालों में क्या परिवर्तन हुआ? बताइए।

धूप में रखा रूमाल ________________________________

छाया में रखा रूमाल ________________________________

13. धूप में रखे रूमाल का पानी कहाँ चला गया? सोचकर बताइए।

____

____

____

दो काँच के गिलास लीजिए। एक में गर्म पानी और दूसरे में बर्फ वाला पानी डालिए। थोड़ी देर बाद देखिए और बताइए।

14. क्या गिलास की बाहरी सतह में कोई परिवर्तन दिखाई दिया? क्या परिवर्तन हुआ?

____

____

15. क्या गिलास की बाहरी सतह पर दिखनेवाला पानी गिलास की सतह को छेदकर बाहर आ गया? सोचिए।

____

____

____

16. अगर आप के यहाँ दाल या चावल पक रहा हो तो देखें कि भाप निकल रहा होगा। उड़ते हुए भाप के ऊपर एक स्टील का प्लेट लाइए तथा थोड़ी देर रखकर वापस हटा लीजिए। प्लेट की सतह पर कुछ दिखाई देता हैं क्या? लिखिए।

____

____

____

17. प्लेट की सतह पर पानी की बूँदें कहाँ से आईं ?

____

____

____

मान्या के शिक्षक ने बताया था कि धूप या गर्मी से पानी भाप बनकर ऊपर उठ जाता है। बहुत सारी भाप जब ऊपर में मिलती हैं तो बादल बन जाते हैं। वही बादल ठंडे होकर पानी बरसाते हैं।

18. आप अपने शिक्षक से पता कीजिए कि पानी के भाप बनकर उड़ने एवं बादल बनकर बरसने की क्रिया हमेशा चलती रहती है क्या?

____

____

____

पानी की खासियत–

19. हम लोगों ने पानी के भाप बनने और गिलास की सतह पर पानी के जमा होने की खूबियों को जाना है। पानी की अन्य कई खूबियाँ हैं। यह अपने में कुछ चीज़ों को घोल लेता है तो कुछ को नहीं। कुछ चीज़ें इसमें तैरती हैं तो कुछ डूब जाती हैं। बताइए–

(क) क्या पानी का कोई स्वाद होता है? ____________________________

(ख) क्या पानी में गंध होती है? ________________________________

(ग) पानी की उन खूबियों को लिखिए जिन्हें आप जानते हैं।

____

____

____